श्री गांधी आज़ादः उपसभापति महोदया, मंत्री जी ने जो जवाब दिया है, वह गोलमोल तरीके से दिया है। मेरा सीधा-सीधा सवाल यह है कि 18 महीनों में 10 हजार करोड़ से ज्यादा रक्षा संबंधी सौदे हुए हैं कि नहीं अगर हुए हैं तो उनका ब्यौरा क्या है? मेरा दूसरा सवाल यह है कि...

उपसभापतिः एक सवाल का जवाब तो पहले आने दीजिए, बहुत देर हो गयी है। बोलिए मंत्री जी।

श्री मुलायम सिंह यादवः उपसभापति महोदया, जहां तक इन्होंने पूछा है तो वह तो स्पष्ट रूप से सवाल के जवाब में आ ही गया है। जो इन्होंने पूछा है उसे हमने स्वीकार कर लिया है कि 10 हजार करोड़ का सौदा हुआ है। तो यह जो सवाल पूछा है इसका जवाब तो मैंने बता ही दिया है।

बोफोर्स द्वारा भारत को हथियारों की आपूर्ति

*202 **डा० महेश चन्द्र शर्माः** क्या रक्षा मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या सरकार का ध्यान 6 जुलाई, 1997 के "दैनिक नवज्योति" के जयपुर से प्रकाशित हिंदी संस्करण में "बोफोर्स से भारत को अब भी हथियारों की सप्लाई शीर्षक से प्रकाशित समाचार की ओर दिलाया गया है; और

(ख) यदि हां, तो इस संबंध में तथ्य क्या हैं?

रक्षा मंत्री (श्री मुलायम सिंह यादव): (क) जी, हां।

(ख) विवरण सभा पटल पर रख दिया गया है।

विवरण

मैसर्स बोफोर्स पर उस समय तक के लिए रोक लगी हुई है जब तक कि वे एफ एच 77 बी तोप प्रणाली और गोला-बारूद की आपूर्ति संविदा में कमीशन प्राप्त करने वालों के नाम और पूरे ब्यौरे नहीं बता देते तथा धनराशि वापिस नहीं कर देते।

आयुध निर्माणी बोर्ड ने शस्त्र एवं गोलाबारूद के निर्माण के लिए स्वीडन की मैसर्स माइप्रो ए बी से 1993-94 से 1996-97 के दौरान लगभग 10.16 करोड़ रुपये मूल्य के संघटकों के वास्ते संविदा की थी। स्वीडन में भारतीय दूतावास ने इस बात की पुष्टि की थी कि मैसर्स माइप्रो ए बी के मैसर्स बोफोर्स के साथ कोई संबंध नहीं हैं।

डा० महेश चन्द्र शर्माः माननीय उपसभापति महोदया, रक्षा मंत्री जो जवाब दे रहे हैं, वह वास्तव में जवाब नहीं है और मुझे आश्चर्य है कि अखबारों के माध्यम से जो बात सारी दुनिया जानती है, अपने रक्षा मंत्रालय से वह बात हम सदन में नहीं जान सके। महोदया, रक्षा मंत्री जी ने लिखा है कि मैसर्स माइप्रो-एबी से 1993-94 और 1996-97 के दौरान कॉन्ट्रैक्ट्स हुए, दुनिया के सारे अखबार यह बात बता रहे हैं कि यह जो माइप्रो कम्पनी है, बोफोर्स ने इसको माल बेचा और उसका माल हमने खरीदा। मेरे पास सारी कटिंग हैं। इसमें बोफोर्स के प्रवक्ता एन्डर्स फूलोरेनियस के बयान छपे हैं। उन्होंने कहा कि "यह सही है कि हमने माइप्रो को हथियार उपकरण बेचे हैं उसके बाद उन्हें भारत में बेचा गया। अगर यह रास्ता अपनाना भारत को तैयार है तो यह भारत की मर्जी है।" सारी दुनिया जानती है कि माइप्रो के माध्यम से....

उपसभापतिः आप सवाल करिए, भाषण बात में दीजिएगा।

डा० महेश चन्द्र शर्माः महोदया, मैं क्या सवाल करूं?

उपसभापतिः तो मत करिए, मैं दूसरे को बुला लेती हूं।

डा० महेश चन्द्र शर्माः महोदया, मेरा कहना यह है कि मैंने जो सवाल पूछा है, उसका गलत जवाब आया है। दुनिया जानती है कि माइप्रो के माध्यम से खरीदा गया हर शस्त्र बोफोर्स का है। मैं मंत्री जी से जानना चाहता हूं कि क्या उनको ज्ञात है कि माइप्रो के माध्यम से जो शस्त्र हमने खरीदे है, वह बोफोर्स में बने हुए हैं?

श्री मुलायम सिंह यादवः माननीय उपसभापति महोदया, पहले वहां के दूतावास से यह पता लगाया गया था कि यह कम्पनी जो माइप्रो कम्पनी है, इसका किसी कम्पनी से कोई संबंध तो नहीं है। तो यह रिपोर्ट आयी थी कि यह एक इन्डीपेंडेंट कम्पनी है, यह स्वयं अपना काम करती है, इसका दसूरी किसी कम्पनी से रिश्ता नहीं है।

डा० महेश चन्द्र शर्माः मेरा सवाल यह नहीं है।

उपसभापतिः पहले आप जवाब तो सुन लीजिए।

श्री मुलायम सिंह यादवः जहां तक आपने बताया है कि इस कम्पनी के माध्यम से हथियार बेचे जा रहे हैं तो इसके लिए हम दोबारा स्वीडन में हमारा जो दूतावास है, उसके तथा अपने माध्यम से, सरकार के माध्यम से

भी पता लगाएंगे कि क्या यह सच है और अगर सच है तो उचित कार्यवाही की जाएगी।

डा. महेश चन्द्र शर्मा: महोदया, मेरा पहला ही सवाल है। मैंने यह नहीं पूछा था कि माइप्रो का संबंध बोफोर्स से है कि नहीं। मैंने यह पूछा है कि जो माइप्रो से सामान आया है वह बोफोर्स में बना है कि नहीं? मेरा यह सवाल नहीं है...**(व्यवधान)**...

श्री मुलायम सिंह यादव: इसका जवाब तो दिया ही है।

डा० महेश चन्द्र शर्मा: आपने जवाब दे दिया है कि कम्पनी का कम्पनी से क्या संबंध है। मेरा सवाल कम्पनी का नहीं है। मेरा सवाल उपकरणों का है कि उपकरणों का निर्माता कौन है? उपकरणों का निर्माता माइप्रो है या बोफोर्स है? यह मेरा पहला ही सवाल है। आप कृपया इसका फिर से जवाब दीजिए।

श्री मुलायम सिंह यादव: नाराज मत होइए, डांटिए मत।

उपसभाध्यक्ष: लगता है कि बोफोर्स की गन इधर हो गई है।

श्री मुलायम सिंह यादव: मोहदया, जो मान्यवर सदस्य जानना चाहते हैं, मैं वही बता रहा हूं। माइप्रो कम्पनी से यह सौदा हुआ है, यह आपकी जानकारी में है और यदि जानकारी में नहीं है तो हम इसकी जानकारी करा लेंगे, पहले इसकी जानकारी कराई गई थी और स्वीडन के माध्यम से यह रिपोर्ट आ गई थी कि यही कम्पनी है। यह इंडिपेंडेंट कम्पनी है। इस कम्पनी का किसी और कम्पनी से कोई वास्ता नहीं है और इसी माइप्रो कम्पनी से सौदा हुआ है। यदि बोफोर्स कम्पनी से कोई सामान आता है या उसके माध्यम से कोई बात की गई है तो मैं इसकी भी जांच करवाऊंगा।

उपसभापति: आपका दूसरा सप्लीमेंट्री नहीं हुआ है। आप इतनी जोर से बोल रहे हैं कि लग रहा है चार-पांच सप्लीमेंट्री हो गए हैं।

डा० महेश चन्द्र शर्मा: महोदया, यह विषय बहुत गम्भीर है। हमारे देश का एक मिस्टर क्लीन प्रधान मंत्री मिस्टर मलीन प्रधान मंत्री हो गए हैं। बोफोर्स हमारे देश में कितने लोगों को बदनाम करेगी, मुझे मालूम नहीं है। मुझे आश्चर्य है कि अब तक उससे खरीदारी हो रही है। आपने कहा है कि हम जांच करवा लेंगे। एक अगस्त की यह खबर है स्टॉकहोम से आई है। भारतीय दूतावास के रक्षा सलाहकार कैप्टन राजबीर भदाना ने बताया है कि अखबार में प्रकाशित खबर की जांच भारतीय रक्षा मंत्रालय, विदेश मंत्रालय कर रहा है। मुझे जानना है कि हमारे पास दूतावास की क्या यह सूचना आ चुकी है?

श्री मुलायम सिंह यादव: उपसभापति महोदया, जब पहली सूचना मांगी गई थी तो मैंने स्पष्ट किया था कि यह खुद ही इंडिपेंडेंट कम्पनी है। इसके बाद समाचार-पत्रों में अभी आया है और समाचार-पत्रों के माध्यम से ही, उस के आधार पर हम इसकी जांच करवा लेंगे।

उपसभापति: श्री राघवजी, मैंने उनको बुलाया है वह खड़े हैं। ...**(व्यवधान)**...

प्रो. विजय कुमार मल्होत्रा: क्या अखबारों के जरिए से हमारी डिफेंस मिनिस्ट्री काम करेंगी? इट इज वेरी सीरियस। आज अखबारों में छपा है तो हम कहें ....**(व्यवधान)**... डिफेंस मिनिस्ट्री की कोई इंटेलीजेंस है, गवर्नमेंट ऑफ इंडिया की कोई इंटेलीजेंस है?

उपसभापति: आप बैठिए। राघवजी आप बोलिए।

श्री राघवजी: माननीय मंत्री जी ने अपने उत्तर में यह कहा है कि बोफोर्स सौदे में जिन्होंने कमीशन लिया है जब तक वह पहले उनकी डिटेल्स नहीं देगी तब तक उनसे कोई नया सौदा नहीं किया जाएगा। मैं माननीय मंत्री जी से यह जानना चाहता हूं कि बोफोर्स कम्पनी ने इस बात का क्या जवाब दिया है और अगर नहीं दिया है तो क्या सिर्फ इसी बात से संतोष कर लेंगे कि उसको दूसरे कांट्रेक्ट नहीं देंगे या कोई और रास्ते भी कमीशन लेने वालों के नाम जानने के लिए अपनायेंगे? और अपनायेंगे तो वह कौन से रास्ते हैं और उसके बारे में आपने क्या कार्रवाई की है जिससे कि कमीशन पाने वालों के नाम पता लगे?

श्री मुलायम सिंह यादव: महोदया, इस संबंध में काफी चर्चा हो चुकी है। बहुत चर्चा हो चुकी है और 1989 से चर्चा करते हुए हम लोग सरकार में भी आ गए, आप भी आ गए, हम भी आ गए। जब तक वह दलालों के नाम नहीं बतायेंगे तब तक उनको ब्लैक लिस्टिड कर दिया गया है और जो भी कानूनी कार्रवाई की जा सकती है वह कार्रवाई हम करेंगे जब तक कि वह दलालों के नाम नहीं बतायेंगे, जब तक दिया हुआ कमीशन वापस नहीं करेंगे।

श्री राघवजी: वही तो मैं जानना चाहता था कि खाली ब्लैक लिस्टिड करना पर्याप्त है या और कुछ कार्रवाई आप कर रहे हैं।

श्री सिकन्दर बख्त: सदर साहिबा, इन्होंने पहले के जवाब में कुछ और कहा था, अब के जवाब में कुछ

और कहा है। अगर वह ब्लैक लिस्टिड है तो इस वक्त उनसे सौदा क्यों किया जा रहा है? यह तो बताइये।

उपसभापति: क्या आप बोफोर्स से सौदा कर रहे हैं?

†[شری سکندر بخت : صدر صاحب۔ انھوں نے پہلے کے جواب میں کچھ اور کہا تھا۔ اب کے جواب میں کچھ اور کہا ہے۔ اگر وہ بلیک لسٹیڈ ہے تو اس سے سودا کیوں کیا جا رہا ہے۔ یہ تو بتائیے۔]

श्री मुलायम सिंह यादव: उपसभापति महोदया, बोफोर्स से कोई सौदा नहीं किया जा रहा है। सौदा माइप्रो कम्पनी से किया जा रहा है। अब अखबारों में आया है कि बोफोर्स कम्पनी के पुर्जे उस कम्पनी के माध्यम से भेजे जा रहे हैं तो उसकी हम जांच करवा लेंगे। ...(व्यवधान)...

DR. BIPLAB DASGUPTA: Madam, it is clear that the Bofors is not going to cooperate. In this situation, I would like to know whether the Government has taken up this case with the Swedish Government or even with the Court, if necessary, through letters rogatory or other methods to get material from Sweden, particularly the diary of Ardbo and others. The related point is, we have received the papers on the Bofors payments. This was early this year. So far, a number of months have passed.

We would like to know from the Minister whether that report has been analysed and whether certain conclusions have been reached as to who the ultimate recipient of that money was.

श्री मुलायम सिंह यादव: उपसभापति महोदया, यह सवाल तो अलग हो गया है। अगर बोफोर्स के बारे में चर्चा करनी है तो अलग से कर ली जाये। आज के सवाल से बोफोर्स का हम क्या उत्तर दे सकते हैं।

SHRI TRILOKI NATH CHATURVEDI: Madam, I commend the enthusiasm and the desire of the Defence Minister to ensure that there is probity in all defence deals. I do not question it. But before putting my question, I would like to say that I hate to go into any aspects of either the Bofors deal or the Submarine deal. I would like to draw the attention of the hon. Defence Minister to what has appeared today in *The Economic Times*, in a very positive and constructive spirit, because the matter is concerned with the defence preparedness of the country. I am a little bit surprised that the Minister has not been apprised by the Ministry of all that has been appearing in the Press during the last three, four days about Westlander, who is the Secretary-General of the NGOs, looking into disarmament and export of arms from there. What has appeared in *The Economic Times* today? There are two statements--one by some representatives of Bofors itself and the other by a government official of the Swedish Government. I would like to quote both the statements.

"A top Swedish official has charged that the Indian government has dealt with Bofors despite being fully aware that it was flouting its own embargo on trade with the Swedish arms maker."

That means the embargo that you have imposed, is being flouted.

Now, I come to the second statement, and this is very important.

"Mr. Staffan Hansson, the deputy supremo of the Inspectorate of Strategic Products (ISP), said the "Government of India had throughout been fully congnisant of the alleged violations of their unilaterally imposed embargo against import of Bofors - manufactured products into India and it is continuing." It also includes the period durig which you have been there. I commend your desire to put a stop to such things. There are a number of other things also and what the Opposition MPs there have said. Our Military Advisor gave one advice that MIPRO is not connected with this. Now, doubts have been expressed. Will you again conduct and enquiry into

†[ ]Transliteration in Arabic Script

this matter in a very positive and constructive spirit? When an agreement was entered into with WIPRO, was it ensured that it will not be a third party kind of a thing exporting Bofors products to India. I do not want to go into the many details which have come to our notice during the last few months.

SHRI JAYANT KUMAR MALHOUTRA: Madam, I also want to put one question...*(Interruptions)*

THE DEPUTY CHAIRMAN: Let him answer the first question which has been asked.

श्री मुलायम सिंह यादवः उपसभापति महोदया, मैं धन्यवाद देता हूं चतुर्वेदी जी को कि उन्होंने विस्तार में सारे का सारा ऐसा बताया है जिससे सवाल करने में भी सुविधा होगी, उत्तर देने में भी सुविधा होगी। जहां तक सवाल है कि इस कम्पनी का दूसरी से संबंध है या नहीं, इसके बारे में स्वीडन के दूतावास से पूरी तरह से पूछा गया था। उन्होंने कहा कि यह एक इंडिपेंडेंट कम्पनी है। इसके बाद जो समाचारपत्रों के माध्यम से खबर मिल रही है आपको भी, सारे देश की जनता को और सबको, सदन को, सरकार को भी, उसके अनुसार भी हम इसकी जांच करा लेंगे कि क्या बोफार्स का सामान भी उसमें शामिल होकर दिया जा रहा है या नहीं दिया जा रहा है। ...(व्यवधान)

श्री रामदास अग्रवालः महोदया, ...(व्यवधान)

THE DEPUTY CHAIRMAN: Mr. Agarwal, what is wrong with you? I have not called you. *(Interruptions)* Mr. Chaturvedi does not need any support. *(Interruptions)* I know that everybody has got very important question. *(Interruptions)*

SHRI RAMDAS AGARWAL: Madam, ...

THE DEPUTY CHAIRMAN: I am not allowing you to put any question. I won't permit the Minister to answer because this way the House will be totally derailed. Otherwise, I will leave the Minister to his mercy and I will go to my room. You can ask any questions you like. There should be a proper way. That is why Members raise their hands. Accordingly, I call them in that order. I have to give them preference in that order.

विपक्ष के नेता (श्री सिकन्दर बख्त): सदर साहेबा, क्या आपको तसकीम है कि जवाब आ गया है।..(व्यवधान)

†[ینتا وردی دل شری سکندر بخت: صدر صاحبہ۔ کیا آپکو تسکین ہے کہ جواب آگیا ہے ...]

उपसभापतिः मैं अपनी तसकीम के लिए जवाब नहीं लेती (व्यवधान) आपकी तसकीम के लिए जवाब लेना चाहिये।

श्री सिकन्दर बख्तः सवाल यह है (व्यवधान) मैं गुज़ारिश कर रहा हूं (व्यवधान)

†[شری سکندر بخت: سوال یہ ہے... "مداخلت" میں گزارش کر رہا ہوں ... "مداخلت" ...]

THE DEPUTY CHAIRMAN: Sikander Bakht Sahib, don't divert it.

श्री सिकन्दर बख्तः आप मेरी बात सुन लीजिए (व्यवधान) मेरी गुज़ारिश सुन लिजिए (व्यवधान)

†[شری سکندر بخت: آپ میری بات سن لیجئے ... "مداخلت" ... میری گزارش سن لیجئے ... "مداخلت" ...]

THE DEPUTY CHAIRMAN: Sikander Bakht Sahib, I am on a different issue.

श्री सिकन्दर बख्तः मैं यह कहना चाह रहा था कि बराहेरास बोफोर्स से सामान नहीं खरीदा जा रहा है किसी और के जरिए से खरीदा जा रहा है, यह बात साफ होनी चाहिये (व्यवधान)

†[ ]Transliteration in Arabic Script

†[شری سکندر بخت: میں یہ کہنا چاہ رہا تھا کہ براہ راست بوفورس سے سامان نہیں خریدا جا رہا ہے۔ کسی اور کے ذریعہ سے خریدا جا رہا ہے۔ یہ بات صاف ہونی چاہیئے۔ "مداخلت"]

उपसभापतिः यह मालूम कर लेंगे **(व्यवधान)**

श्री सिकन्दर बख्तः कमाल हो गया **(व्यवधान)**

†[شری سکندر بخت: کمال ہو گیا۔۔ ۔۔۔"مداخلت"۔۔۔]

THE DEPUTY CHAIRMAN: Please, no tension in the House. I am on a different issue. Whatever you want to ask the Government, you are free to ask. You have a right to ask the Government. Please go by the procedure. That is what I am asking you to do.

श्री सिकन्दर बख्तः जवाब तो आना चाहिये। **(व्यवधान)**

†[شری سکندر بخت: جواب تو آنا چاہیئے۔۔۔"مداخلت"۔۔۔]

उपसभापतिः जवाब आना चाहिये।

That you can ask them. *(Interruptions)*... Sikander Bakht Sahib, please keep quiet for a minute when I am speaking. You may be the Leader of the Opposition. That doesn't mean the Chair should not say a word. Please, let us have a proper way. There are Members who are waiting in line and we are wasting time. Mr. Jayant Malhoutra.

SHRI JAYANT KUMAR MALHOUTRA: Madam, the question is very important. The question has not been answered by the hon. Defence Minister. That he is going to inqire into whether MIPRO has any connection or not is not relevant. When even smaller companies buy from aborad, they take a certificate that they are buying from the manufacturer and not from a middleman. I want to know whether any such certification has been obtained by the Ministry of Defence when they entered into this agreement with MIPRO that MIPRO was the manufacturer and not a middle company supplying to the Defence Ministry. It is as simple as that. I would like to know whether there is any procedure in the Defence Ministry that they should buy from the manufacturers and not from middle companies.The issue is not whether they are connected with Bofors or any other manufacturer.

श्री मुलायम सिंह यादवः उपसभापति महोदया, मैंने पहले ही बता दिया था। **(व्यवधान)**

श्री जयन्त कुमार मल्होत्राः सुनाई नहीं दे रहा है। **(व्यवधान)**

श्री मुलायम सिंह यादवः जो खरीदा गया था रक्षा मंत्रालय से प्रमाण पत्र मांगा गया था यहां तक कि रूस की सरकार को भी लिखा गया कि इसमें कोई दलाल नहीं है। इसी तरह से बोफर्स कम्पनी के बारे में अगर कोई आशंका आपने व्यक्त की है तो हम रक्षा मंत्रालय के उत्पादकों से सामग्री खरीदते हैं, जो उत्पादन करते हैं, उन्हीं से खरीदते हैं। इसके बार में भी स्वीडन के दूतावास से आया था कि इसका कोई और किसी से नहीं है, यह इंडीपेंडेट है। मैं यह बार बार बता चुका हूं। इसके बाद भी जो आशंका व्यक्त की है माननीय नेता विरोधी दल ने, माननीय मलकानी साहब से ले कर माननीय मल्होत्रा जी ने और सब ने, हम इसको भी देख लेंगे। अगर इसके बाद भी कोई नियमों का उल्लंघन किया गया है या शर्तों का उल्लंघन किया गया है तो हम उसकी भी जांच कराने के लिए तैयार हैं, जल्दी कराएंगे और बता भी देंगे।

उपसभापतिः मंत्री जी, सवाल एकदम साधारण है। शायद सब के मन में यह है कि आपने स्वीडन की कम्पनी से समान लिया और स्वीडन की कम्पनी बोफर्स के साथ में विवाद चल रहा है इस सिलसिले में। सवाल यह है कि आपने अपना मालूम किया कि उन दोनों का कोई ताल्लुक नहीं है, संबंध नहीं है, अलग-अलग हैं, इंडीपेंडेट कम्पनियां हैं। जो सवाल मल्होत्रा जी ने पूछा है वह यह है कि क्या कोई ऐसा तरीका आपके यहां है डिफेंस मिनिस्ट्री में कि जो समान दे, जिससे आप सामान खरीदें, यह सर्टिफाई करे कि यह सामान हमारा ही

†[ ]Transliteration in Arabic Script

बनाया हुआ है, सामान हमने मार्किट में से खरीद कर अपने नाम से सप्लाई नहीं किया है। सिर्फ सिम्पल सवाल यह है।

श्री मुलायम सिंह यादव: यही किया है। अब जो सौदा होगा रक्षा मंत्रालय से...**(व्यवधान)**

श्री रामदास अग्रवाल: जो हुआ है, उसका बता दें। **(व्यवधान)**

उपसभापति: उनको जवाब देने दीजिये। **(व्यवधान)** इस तरह से जवाब नहीं आ पाता, बोलने दीजिये। ...**(व्यवधान)**

श्री मुलायम सिंह यादव: जो एग्रीमेंट हुआ है, उसमें साफ तौर पर लिखा गया है सरकार की तरफ से, रक्षा मंत्रालय की तरफ से कि इसमें पहले स्पष्ट कीजिये कि कोई दलाल तो नहीं है। यह प्रमाण-पत्र दीजिये कि इसमें कोई दलाली नहीं हो रही है। यह बाकायदा है। **(व्यवधान)**

श्री राघवजी: महोदया, आपने कवेश्चन का उत्तर नहीं आया तो दूसरे का क्या आएगा।

उपसभापति: श्री सतीश प्रधान जी ...**(व्यवधान)** मैंने सतीश प्रधान जी को बुलाया है। ...**(व्यवधान)** राघवजी, मैं आपकी मदद करती हूं आप मेरी कर रहे हैं।

श्री राघवजी: धन्यवाद, मैडम।

श्री मुलायम सिंह यादव: महोदया, यह प्रमाण-पत्र लिया जाता है कि उन्हीं का सामान है या नहीं।

श्री सोमपाल: लेकिन इस मामले में आपने प्रमाण-पत्र लिया है या नहीं। यह सामान जो उन्होंने बेचा है यह उन्हीं के द्वारा निर्मित है और किसी का नहीं है, यह प्रमाण-पत्र लिया है या नहीं लिया, बस इतना बता दीजिए? बहुत सीधा सा सवाल है।

श्री मुलायम सिंह यादव: यह प्रमाण-पत्र कि यह सामान आपकी ही कंपनी का बना हुआ है या नहीं, जब एग्रीमेंट होता है तो इसी तरह का होता है।

श्री सोमपाल: इसमें लिया है या नहीं, यह व्यवस्था बताएं? ...**(व्यवधान)** आप तो सामान्य नियम की बात कर रहे हैं। नियम तो है। लेकिन इस मामले में वह प्रमाण-पत्र इस कंपनी से आपने लिया है या नहीं लिया है?

उपसभापति: अब आप बैठिए?

श्री मुलायम सिंह यादव: उपसभापति महोदया, यही मैंने कहा कि जिस वक्त यह सौदा हुआ तो पूरी तरह से वहां के भारतीय दूतावास से जानकारी की गई। ....**(व्यवधान)**

SHRI SOM PAL: The answer should be 'yes' or 'no' *(Interruptions)*. Madam. I seek your protection. Kindly direct the Government to give a specific reply.

उपसभापति महोदया, यह सीधा सवाल पूछा जा रहा है। मंत्री जी या तो कह सकते हैं कि अभी जानकारी नहीं है। ....**(व्यवधान)**

उपसभापति: बैठिए-बैठिए।

श्री सोमपाल: उपसभापति महोदया, आपको चेयर से सरकार को यह निर्देश देना चाहिए कि इसका हां या ना में उत्तर दें। इसमें कोई बचने की गुंजायश नहीं है।

उपसभापति: श्री सतीश प्रधान जी।

श्री सोमपाल: या तो आप यह कहें.....**(व्यवधान)** आपको सदस्यों के इस अधिकार की रक्षा करनी चाहिए उपसभापति महोदया, आपका यह कर्तव्य है और अधिकार है।

उपसभापति: मैं रक्षा ही कर रही हूं। ...**(व्यवधान)**

श्री सोमपाल: तो मैं आपसे निवेदन करता हूं कि मंत्री जी को आप निर्देश दें कि हां या ना में उत्तर दें। अभी नहीं दे सकते हैं तो शाम को दें दे। ....**(व्यवधान)**

उपसभापति: एक मिनट बैठिए। मंत्री जी, अगर जवाब अभी आपके पास स्पष्ट नहीं है क्योंकि हो सकता है उसका एग्रीमेंट देखना पड़े तो आप शाम को आकर बता सकते हैं या कल को हाउस खत्म होने से पहले बता दीजिए कि यह एग्रीमेंट में था। जब उनके साथ एग्रेमेंट किया गया था तो यह बात भी उस एग्रीमेंट में थी कि हम इस माल के खुद मैनुफैक्चरर है और मार्केट से नहीं लिया गया है। क्योंकि यहां बोफर्स पर बोल रहे है और यह भी हो सकता है कि उन्होंने कहीं और से भी लिया हो, किसी दूसरी कंपनी से भी लिया हो, तो ऐसा है या नहीं। क्योंकि अगर आप खुद डाइरेक्ट दूसरी कंपनी से बात कर सकते हैं, बिचौला खाली दूसरा आदमी नहीं होता है, बिचौला कोई मैनुफैक्चरर खुद भी बन सकता है। वह खुद न बनाता हो किसी दूसरे नाम की खरीद कर अपने नाम से बेच दे तो उसके लिए

एग्रीमेंट में क्या प्रोटैक्शन है? मुझे लगता है कि यह सवाल सब के मन में है। आप इसका जवाब लाकर हाउस से शेयर कर लीजिए।

अब आगे के क्वेश्चन पर मैं आती हूं, क्योंकि सभी यही सवाल पूछेंगे और इसका जवाब अभी है नहीं।

श्री सतीश प्रधान: मैडम, मैं थोड़ा सा अलग पूछ रहा हूं।

उपसभापति: सब अलग ही होते हैं। ....(व्यवधान), बोलिए, लेकिन अलग ही होना चाहिए।

श्री सतीश प्रधान: हां, बिल्कुल अलग।

उपसभापति: बोलिए।

श्री सतीश प्रधान: मैडम, मैं आपके माध्यम से माननीय मंत्री जी से यह बात जानना चाहता हूं कि जो बोफर्स के बारे में चर्चा चल रही है जिन दिनों में ज्वाइंट पार्लियामेंट कमेटी एप्वायंट की गई थी उसमें मैं नहीं जाता, लेकिन वह जो तोपें हमने खरीदी थी वह तोपें आज की तारीख में उसमें से कितनी चल सकती है, काम में आ सकती है, ऐसी स्थिति में कितनी तोप बंद है? अगर बंद है तो क्या उसके कारण उसके कल-पुर्जे उपलब्ध नहीं होना है? यदि वह उपलब्ध नहीं होते तो उसके क्या कारण है?

उपसभापति: यह अलग सवाल है। अब इतना भी अलग नहीं पूछना है। सवाल से संबंधित ही होना चाहिए। प्रश्न संख्या 203

श्री सतीश प्रधान: मैडम, मुझे कुछ जवाब नहीं मिला।

THE DEPUTY CHAIRMAN: This is a separate question.

Special Women Courts to deal with atrocities on women

*203. SHRI N. THALAVAI SUNDARAM: Will the Minister of HOME AFFAIRS be pleased to state:

(a) whether it is a fact that number of incidents of atrocities on women have been increasing tremendously in the country;

(b) whether Government would set up special women courts so that atrocities could be stopped; and

(c) if so, the details thereof?

THE MINISTER OF HOME AFFAIRS (SHRI INDRAJIT GUPTA) (a) to (c) A Statement is laid on the Table of the House.

Staement

(a) Accoroding to information available, the incidence of crime committed against women during the last three years was as follows:-

Year	*Incidence of crime*
1994	98948
1995	106445
1996	106739 (Provisional)

(b) and (c) The Administration of Justice in the District/Subordinate Courts comes under the purview of the State Governments/High Courts and they are competent to set up such Courts according to their requirements.

SHRI N. THALAVAI SUNDARAM: Now, Madam, you are Chairman of the Committee on Empowerment of women. My question is about crimes committed against women. In our State of Tamil Nadu in Madurai Corporation, one Councillor was murdered by a DMK Divisional Joint Secretary. Now he is in the custody of jail.

SHRI V.P. DURAISAMY: Madam, how is it....

THE DEPUTY CHAIRMAN: You please sit down.

You cannot suppress his question just because he belongs to another party. You just keep quiet. It is for me to decide.

SHRI N. THALAVAI SUNDARAM: These are the atrocties committed against women. This is my first question. In 1996, 106739 cases were committed against women. My question is: How are we going to prevent the crime against women as far as our State is concerned?